

**WHEN JESUS  
USES A  
QUESTION  
MARK**

A Look into Your Heart with the Savior.

---

---


---

---

---

---

---



**What Do You  
Want Me to  
Do for You?**

Matthew 20:25-34

---

---

---


---

---

---

---

<sup>25</sup> But Jesus called them to him and said, "You know that the rulers of the Gentiles lord it over them, and their great ones exercise authority over them.



Matthew 20:24-35

---

---

---

---

---

---

---

<sup>26</sup> It shall not be so among you. But whoever would be great among you must be your servant, <sup>27</sup> and whoever would be first among you must be your slave,

Matthew 20:24-35




---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>28</sup> even as the Son of Man came not to be served but to serve, and to give his life as a ransom for many.”

Matthew 20:24-35




---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>29</sup> And as they went out of Jericho, a great crowd followed him. <sup>30</sup> And behold, there were two blind men sitting by the roadside,

Matthew 20:24-35




---

---

---

---

---

---

---

---

and when they heard that  
Jesus was passing by, they  
cried out, "Lord, have  
mercy on us, Son of  
David!"

Matthew 20:24-35



---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>31</sup> The crowd rebuked  
them, telling them to be  
silent, but they cried out  
all the more, "Lord, have  
mercy on us, Son of  
David!"

Matthew 20:24-35



---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>32</sup> And stopping, Jesus  
called them and  
said, "What do you want  
me to do for you?" <sup>33</sup> They  
said to him, "Lord, let our  
eyes be opened."

Matthew 20:24-35



---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>34</sup> And Jesus in pity touched  
their eyes, and  
immediately they  
recovered their sight and  
followed him.

Matthew 20:24-35




---

---

---

---

---

---

---

---

What We Must Not Forget When  
Following Jesus.

**Three Non-Negotiables**

---

---

---

---

---

---

---

---

**You are Never Too Exalted  
to Be a Servant.**

V.29-30 And as they went out of  
Jericho, a great crowd followed  
him. And behold, there were two blind  
men sitting by the roadside,

---

---

---

---

---

---

---

---



*Remember, a Follower of Jesus  
is Following a Servant!*

*The Power of Jesus is Meant to  
Propel Us toward Servanthood,  
Not to Promote Us toward  
Lordship.*

---

---

---

---

---

---

---

**You Can Never Follow Jesus  
by Leaving Mercy behind.**

V.31 The crowd rebuked them, telling  
them to be silent, but they cried out  
all the more, "Lord, have mercy on  
us, Son of David!"

---

---

---

---

---

---

---

*The Kingdom of God is about  
Those with a Deep Awareness  
of their UN-worthiness, Not  
Those Who Are Unshakably  
Convinced That They Are  
Worthy.*

---

---

---

---

---

---

---

## You Can Never Demand for Yourself What Jesus Insisted on Forsaking.

V.32-33 And stopping, Jesus called them and said, "What do you want me to do for you?" <sup>33</sup> They said to him, "Lord, let our eyes be opened."

---

---

---

---

---

---

---

*If Your Flesh and This Broken World Are Able to Easily Nod Their Heads to the Patterns of Your Life, then Watch out. You're on a Different Road than Jesus.*

---

---

---

---

---

---

---

<sup>28</sup> even as the Son of Man came not to be served but to serve, and to give his life as a ransom for many."

**Are You Ready to Live Like Jesus?**

---

---

---

---

---

---

---